

Raptors

of Rajaji National Park

राजाजी राष्ट्रीय पार्क के शिकारी पक्षी



- | | | |
|---------------------------|-------------------------------|-----------|
| 1 Red-headed Vulture | <i>Sarcogyps calvus</i> | राजगिद्ध |
| 2 Himalayan Griffon | <i>Gyps himalayensis</i> | बहागिद्ध |
| 3 Eurasian Griffon | <i>Gyps fulvus</i> | भूरीगिद्ध |
| 4 Cinereous Vulture | <i>Aegypius monachus</i> | कालागिद्ध |
| 5 Egyptian Vulture | <i>Neophron percnopterus</i> | सफेदगिद्ध |
| 6 White-rumped Vulture | <i>Gyps bengalensis</i> | भिड़ |
| 7 Crested Serpent Eagle | <i>Spilornis cheela</i> | फुर्जनाज |
| 8 Changeable Hawk-Eagle | <i>Nisaetus cirratus</i> | शाहबाज |
| 9 Short-toed Snake Eagle | <i>Circus circaetus</i> | शाहबाज |
| 10 Black Eagle | <i>Icthyophaga malayensis</i> | शापमार |
| 11 Steppe Eagle | <i>Aquila nipalensis</i> | सगर |
| 12 Bonelli's Eagle | <i>Aquila fasciata</i> | मोरानी |
| 13 Black-winged Kite | <i>Elanus caeruleus</i> | मोरानी |
| 14 Oriental Honey-buzzard | <i>Pernis ptilorhynchus</i> | शाहतेला |
| 15 Shaheen Falcon | <i>Falco peregrinus</i> | शाहीन |
| 16 Common Kestrel | <i>Falco tinnunculus</i> | करौतियाँ |
| 17 Shikra | <i>Accipiter badius</i> | शिकरा |
| 18 White-eyed Buzzard | <i>Buteo teesa</i> | तीसा |

Rajaji National Park, situated in the Western Himalayan foothills, has 32 species of diurnal raptors or birds of prey. The high raptor diversity is due to the presence of varied habitats, such as dense Sal forests, seasonal rivers, mixed hill forests and grass-covered cliffs. This makes Rajaji landscape an important area for conservation of raptors, which play a crucial role in the ecosystem. By feeding on small animals like rodents they indirectly reduce damage to crops. Many raptors especially vultures prevent the spread of diseases by scavenging on dead animals. Rapid urbanization reduces the space and resources available to these birds, causing their decline.

हिमालय की तलहटी में स्थित, राजाजी राष्ट्रीय पार्क में 32 किस्म के रैप्टर्स यानि शिकारी पक्षी पाये जाते हैं। रैप्टर्स की इस विविधता का मुख्य कारण यह है कि यहाँ अनेक प्रकार के वास स्थल मौजूद हैं जैसे कि साल के घने जंगल, बरसाती नदियाँ, मिश्रित पहाड़ी वन और खड़ी चट्टानें। इसी वजह से राजाजी क्षेत्र शिकारी पक्षियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। पारिस्थितिक तंत्र में शिकारी पक्षियों की विशेष भूमिका है। रैप्टर्स कृषि के लिए भी लाभदायक हैं क्योंकि फसलों को नुकसान पहुँचाने वाले चूहें आदि जीव इनका मुख्य आहार हैं। यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि रैप्टर्स मुख्यतः गिद्ध वातावरण को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं चूँकि ये मरे हुए जानवरों को खाकर बिमारियों को फैलने से रोकते हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण और मानवीय दबाव इन पक्षियों की संख्या में गिरावट के प्रमुख कारण हैं।

Funded by:



R.R.C.F.
Raptor Research & Conservation Foundation

Supported by:



भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India
NATURE
SCIENCE
INITIATIVE